महाड सत्याग्रह:
भारत में मानव अधिकार और संवैधानिक नैतिकता का अग्रदूत

यूपीएससी प्रासंगिकता:

- **सामान्य अध्ययन पेपर 2 और 4: सामाजिक न्याय, नीतिशास्त्र (Ethics), और अधिकार।**
- **प्रारंभिक परीक्षा: महाड (बॉम्बे प्रांत), चवदार तालाब, डॉ. बी.आर. अम्बेडकर, एस.के. बोले, रामचंद्र चांदोरकर, आर.बी. मोरे, प्रमुख घटनाएँ: महाड 1.0 (मार्च 1927), महाड 2.0 (दिसंबर 1927), प्रकाशन: बहिष्कृत भारत, आंदोलन: अम्बाबाई मंदिर सत्याग्रह।**

क्यों है यह चर्चा में?

5 दिसंबर, 2025, भारत के पहले मानव अधिकार आंदोलनों में से एक, **डॉ. बी.आर. अम्बेडकर** के नेतृत्व में हुए **1927 के महाड सत्याग्रह** की वर्षगांठ है।[1] यह आंदोलन, जिसने **दलितों के सार्वजनिक पानी के तालाबों तक पहुँचने के अधिकार** पर जोर दिया, भारत की संवैधानिक नैतिकता की नींव रखी, जिसने **सामाजिक न्याय, समानता और लैंगिक समावेशन** के सिद्धांतों को आकार दिया। इसका ऐतिहासिक महत्व विधायी प्रयासों, स्थानीय सक्रियता और अम्बेडकर के एक समावेशी, समतावादी समाज के दृष्टिकोण से जुड़ा हुआ है।

पृष्ठभूमि

महाड का संदर्भ

- **महाड:** स्वतंत्रता-पूर्व बॉम्बे प्रांत में एक तहसील, जो औद्योगिक क्षेत्र के लिए श्रम आपूर्ति करने हेतु महत्वपूर्ण थी।
- **सामाजिक संदर्भ:** व्यापक जातिगत भेदभाव; अस्पृश्यता के कारण दलितों को **चवदार तालाब** जैसी सार्वजनिक सुविधाओं से वंचित रखा गया था।[2]

प्रारंभिक विधायी कार्रवाई

- **1923 बॉम्बे विधान परिषद संकल्प (एस.के. बोले):** इस संकल्प में सिफारिश की गई थी कि **अस्पृश्यों को सार्वजनिक जल स्थानों, स्कूलों, न्यायालयों और औषधालयों तक पहुँचने की अनुमति दी जाए।**

स्थानीय सक्रियता

- **रामचंद्र चांदोरकर** जैसे नेताओं और **महार समाज सेवा संघ** जैसे संगठनों ने गोरेगांव और दासगाँव में प्रयास किए, दलितों के लिए पानी के अधिकारों पर ज़ोर दिया।

Result Mitra
रिजल्ट का साथी
www.resultmitra.com
9235313184, 9235440806

महाड 1.0 और 2.0

विशेषताएँ	महाड 1.0 (19-20 मार्च, 1927)	महाड 2.0 (25-26 दिसंबर, 1927)
उद्देश्य	बोले संकल्प के तहत दलितों के **पानी पीने के अधिकार** पर जोर देना।	कोर्ट के स्थगन (Court Stay) के बाद भी **सांकेतिक कार्रवाई** के माध्यम से विरोध जारी रखना।
भागीदारी	अम्बेडकर के अनुयायियों ने **मानव गरिमा** पर ज़ोर देते हुए, मामूली सामान और लाठी लेकर भाग लिया।	पुरुषों और महिलाओं की **समावेशी भागीदारी** पर ज़ोर दिया गया।
चुनौतियाँ	पहुँच से वंचित किया गया; सत्याग्रह के लिए Rs. 40 मूल्य का पानी खरीदा गया।	न्यायालय ने चवदार तालाब तक पहुँच को प्रतिबंधित कर दिया (निजी स्वामित्व का दावा किया गया)।
परिणाम	शुद्धिकरण अनुष्ठानों (Purification rituals) ने जाति पदानुक्रम को मजबूत किया, जिससे आगे की कार्रवाई प्रेरित हुई।	**मनुस्मृति का दहन** → जाति-आधारित उत्पीड़न के ख़िलाफ़ विरोध।
विशिष्ट कार्रवाई	-	**महिलाओं को संबोधित** करना → **लैंगिक समानता** को सामने लाना।

प्रकाशन और सक्रियता

- **बहिष्कृत भारत** का शुभारंभ किया गया, जिसने **लोकतांत्रिक आदर्शों और मानव अधिकारों** को बढ़ावा दिया।
- **अम्बाबाई मंदिर सत्याग्रह** में भाग लिया गया, जिसने दलितों की सुरक्षा के लिए **अम्बेडकर सेवा दल** का नेतृत्व किया।
- **लिंग, जाति और वर्ग** के परे **पुरुषों और महिलाओं की समावेशी भागीदारी** पर जोर दिया गया।

महाड क्रांति और संवैधानिक नीतिशास्त्र

डॉ. अम्बेडकर ने इस आंदोलन की तुलना फ्रांसीसी क्रांति से की, जिसमें **गरिमा, स्वतंत्रता और समानता** पर ज़ोर दिया गया।

- उन्होंने मानव अधिकार विमर्श को **लैंगिक समानता** को शामिल करने के लिए विस्तारित किया, जिससे फ्रांसीसी और भारतीय दोनों ऐतिहासिक ढाँचों की कमियाँ दूर हुईं।
- उन्होंने एक **लैंगिक राष्ट्र** का विचार प्रस्तुत किया, जिसकी जड़ें निम्नलिखित में निहित थीं:
  - **अस्तित्ववाद** (Existentialism) और जीवंत लोकतंत्र (**मानुसकी** और **मैत्री**)।
  - बौद्ध धर्म से प्रेरित **अहिंसक, नैतिक सिद्धांत**।
- **प्रभाव:** इसने भारतीय संविधान की नैतिक और नैतिक नींव रखी।

महत्व

- **सामाजिक न्याय:** दलित अधिकारों का यह प्रारंभिक दावा दृढ़ता से स्थापित **ब्राह्मणवादी वर्चस्व** को चुनौती देता है।
- **संवैधानिक नैतिकता:** इसने निम्नलिखित अनुच्छेदों को प्रभावित किया:
  - **अनुच्छेद 14** – समानता का अधिकार
  - **अनुच्छेद 17** – अस्पृश्यता का उन्मूलन
  - **अनुच्छेद 15 और 21** – लैंगिक समानता और हाशिए के समुदायों का संरक्षण
- **मानव अधिकार विमर्श:** इसने पुरुषों और महिलाओं को एकीकृत करते हुए **समावेशी, अहिंसक सक्रियता** को प्रेरित किया।
- **सांकेतिक मील के पत्थर:** **25 दिसंबर** को **भारतीय महिला मुक्ति दिवस** के रूप में मनाया जाता है।

निष्कर्ष

महाड सत्याग्रह सामाजिक न्याय और संवैधानिक नैतिकता की दिशा में भारत की यात्रा में एक **मील का पत्थर** बना हुआ है। यह उदाहरण प्रस्तुत करता है कि **विधायी कार्रवाई, ज़मीनी स्तर की सक्रियता और नैतिक दृष्टि** किस प्रकार स्थापित असमानताओं को चुनौती देने के लिए एक साथ आती हैं। दलित अधिकारों पर ज़ोर देकर, लैंगिक समावेशन को बढ़ावा देकर, और मानव गरिमा पर बल देकर, डॉ. अम्बेडकर ने भारत के **संवैधानिक लोकाचार** के लिए एक **मिसाल** कायम की, जो **समानता, स्वतंत्रता और बंधुत्व** की खोज में राष्ट्र का मार्गदर्शन करना जारी रखता है।

UPSC प्रारंभिक परीक्षा अभ्यास प्रश्न

1. निम्नलिखित में से महाड सत्याग्रह (1927) के बारे में कौन-से कथन सही हैं:

1. इसे दलितों के सार्वजनिक जलाशयों तक पहुँच के अधिकार की मांग के लिए डॉ. बी.आर. अम्बेडकर ने नेतृत्व किया।
2. यह आंदोलन फ्रांसीसी क्रांति से प्रेरित था और लिंग समानता को बढ़ावा देता था।
3. महाड बॉम्बे प्रेसीडेंसी (वर्तमान महाराष्ट्र) में स्थित है।

सही विकल्प चुनें:

A. केवल 1 और 2
B. केवल 1 और 3
C. केवल 2 और 3
D. 1, 2, और 3

उत्तर: B – महाड सत्याग्रह ने दलित अधिकारों को बढ़ावा दिया और समानता के आदर्शों से प्रेरित था; महाड महाराष्ट्र में स्थित है। लिंग समानता का फोकस बाद में महाड 2.0 में स्पष्ट हुआ।

2. महाड सत्याग्रह आंदोलन के दौरान 'बहिष्कृत भारत' साप्ताहिक पत्रिका किसने शुरू की थी?

A. एस.के. बोले
B. डॉ. बी.आर. अम्बेडकर

IAS-PCS Institute
Result Mitra
रिजल्ट का साथी
9235313184, 9235440806

C. रामचंद्र चांदोरकर
D. गोपालबाबा वालंगकर
उत्तर: B – डॉ. अम्बेडकर ने 'बहिष्कृत भारत' का उपयोग लोकतांत्रिक आदर्शों और मानवाधिकारों का प्रचार करने के लिए किया।

3. महाड 2.0 सत्याग्रह ऐतिहासिक रूप से निम्नलिखित में से किन कार्यों के लिए महत्वपूर्ण है:
1. मनुस्मृति का सार्वजनिक रूप से दहन
2. दलित अधिकारों का दावा और महिलाओं को शामिल करना
3. अम्बेडकर सेवा दल की स्थापना

सही उत्तर चुनें:
A. केवल 1 और 2
B. केवल 2 और 3
C. केवल 1 और 3
D. 1, 2, और 3
उत्तर: D – महाड 2.0 में सभी तीन कार्य शामिल थे, जो सामाजिक सुधार और लिंग समावेशन को दर्शाते हैं।

4. महाड सत्याग्रह से पहले निम्नलिखित में से कौन-सा विधायी प्रस्ताव पारित हुआ था:
A. 1923 बॉम्बे विधान परिषद का प्रस्ताव, जो अछूतों को सार्वजनिक जलाशयों तक पहुँच की अनुमति देता है
B. 1931 पूना समझौता
C. 1919 भारत सरकार अधिनियम
D. 1920 असहयोग आंदोलन का प्रस्ताव
उत्तर: A – 1923 का बोले प्रस्ताव अछूतों को सार्वजनिक जलाशयों, स्कूलों और कार्यालयों तक पहुँच की सिफारिश करता था।

5. भारत में महाड सत्याग्रह से संबंधित रूप में 25 दिसंबर किसके रूप में मनाया जाता है:
A. संविधान दिवस
B. भारतीय महिला मुक्ति दिवस
C. दलित अधिकार दिवस
D. सामाजिक न्याय दिवस
उत्तर: B – यह महाड 2.0 को दर्शाता है, जिसमें अम्बेडकर ने लिंग समानता और मानवाधिकारों पर जोर दिया।